As per the NEP 2020

B.A. Sanskrit

(Effective from Academic Year 2024-2025 onwards)

Pandit Deendayal Upadhyaya Shekhawati University Sikar
(Rajasthan) 307026
E-mail: reg.shekhauni@gmail.com
Website: www.shekhauni.ac.in

Dy. Registrar
Pandit Deendayal Upadhyaya
Shekhawati University,
Sikar(Rajasthan)

Semester -I

अधिगम उद्देश्य

- संस्कृत काव्य का ज्ञान।
- संस्कृत काव्यों का अर्थ ग्रहण एवं आचरण में अनुप्रयोग।
- संस्कृत व्याकरण का अवबोध एवं अनुप्रयोग।
- हिन्दी एवं संस्कृत का अनुवादात्मक ज्ञान।

अधिगम परिणाम

- पद्य काव्यों का अवबोध।
- पद्य काव्यों से नैतिक ज्ञान।
- भाषा शिक्षण एवं अनुवाद ज्ञान।
- व्याकरण अनुप्रयोग।

Course Title:	**दृश्य काव्य एवं श्रव्य काव्य**	**Course Code: 24BSL5101T**
Total Lecture hour 60		**Hours**
इकाई प्रथम	स्वप्नवासवदत्तम् (भास)	**15**
इकाई द्वितीय	नीतिशतकम् (भर्तृहरि)	**15**
इकाई तृतीय	रघुवंशम् (द्वितीय सर्ग)	**15**
इकाई चतुर्थ	अनुवाद–कारक संबंधी	**15**
सहायक पुस्तकें		
1	रघुवंश (द्वितीय सर्ग) डॉ. रमाकांत त्रिपाठी, विद्या भवन संस्कृत ग्रंथ माला।	
2	स्वप्नवासवदत्तम्– आचार्य शेषराज शर्मा रेग्मी।	
3	नीतिशतक डॉ. शिवबालक द्विवेदी, चौखंभा ओरिएंटलिया।	
4	रचना अनुवाद कौमुदी– डॉ. कपिल देव द्विवेदी।	

Semester -II

अधिगम उद्देश्य

- भारत के अतीत एवं संस्कृति का ज्ञान।
- संस्कृत काव्य का ज्ञान।
- संस्कृत काव्यों का अर्थ ग्रहण एवं आचरण में अनुप्रयोग।
- संस्कृत व्याकरण का अवबोध एवं अनुप्रयोग।
- हिन्दी एवं संस्कृत का अनुवादात्मक ज्ञान।

अधिगम परिणाम

- छात्रों की सांस्कृतिक एवं नैतिक समृद्धि।
- प्राचीन मान्यताओं के प्रति अभिरुचि।
- पद्य काव्यों का अवबोध।
- पद्य काव्यों से नैतिक ज्ञान।
- भाषा शिक्षण एवं अनुवाद ज्ञान।
- व्याकरण अनुप्रयोग।

Dy. Registrar
Pandit Deendayal Upadhyaya
Shekhawati University,
Sikar(Rajasthan)

Course Title:	भारतीय संस्कृति के तत्व, पद्य साहित्य एवं व्याकरण	Course Code: 24BSL5201T

Total Lecture hour 60		Hours
इकाई प्रथम	भारतीय संस्कृति के तत्त्व क– भारतीय संस्कृति विषय, पृष्ठभूमि, विशेषताएँ । ख– भारतीय संस्कृति के विकास की रूपरेखा–पूर्ववैदिक काल, वैदिकोत्तरकाल मध्यकाल एवं आधुनिक काल । ग– प्राचीनकाल– राजनैतिक, सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति । घ–वर्ण, आश्रम, एवं संस्कार । ड– शिक्षा (वैदिककाल से लेकर 7 वी शताब्दी तक) च–लेखन–कला की उत्पत्ति। छ–भारतीय दर्शन की प्रमुख विचारधाराएँ । ज– भारतीय संस्कृति का मानव–कल्याण में योगदान	15
इकाई द्वितीय	किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग) भारविकृत	15
इकाई तृतीय	लघुसिद्धान्तकौमुदी (संज्ञा एवं संधि प्रकरण)	15
इकाई चतुर्थ	प्रत्यय –क्त्वा,ल्यप्, तुमुन् क्त, क्तवतु, शतृ, शानच्, तव्यत्, अनीयर्, ण्वुल् तृच्, इनि, मतुप्।	15

सहायक पुस्तकें	
1	भारतीय संस्कृति के मूल तत्त्व – डॉ श्री कृष्ण ओझा।
2	किरातार्जुनीयम् – डॉ. सुधाकर मालवीय, चौखंबा कृष्ण दास अकादमी वाराणसी।
3	लघुसिद्धान्तकौमुदी – डॉ. अर्कनाथ चौधरी, आयुर्वेद संस्कृत हिंदी भंडार,जयपुर

Semester III

अधिगम उद्देश्य

- वैदिक साहित्य के प्रति अभिरुचि निर्माण।
- वैदिक देवतावाद एवं यज्ञवाद का परिचय।
- संस्कृत व्याकरण का अवबोध एवं अनुप्रयोग।
- संस्कृत शब्दों के निर्माण व सृजन प्रक्रिया का ज्ञान।

अधिगम परिणाम

- भारतीय यज्ञ परंपरा एवं यज्ञों के महत्व व अनुप्रयोग का ज्ञान।
- भाषा शिक्षण एवं अनुवाद ज्ञान।
- व्याकरण अनुप्रयोग।

Course Title:	वैदिक–साहित्य, गद्य–साहित्य एवं व्याकरण	Course Code: 24BSL6301T

Total Lecture hour 60		Hours
इकाई प्रथम	वैदिक साहित्य अग्नि सूक्त१.१,वरुण सूक्त१.१२५,क्षेत्रपति सूक्त४.५७, विश्वेदेव सूक्त८.५८, प्रजापति सूक्त१०.१२१, संज्ञान सूक्त१०.१९१,	15
इकाई द्वितीय	शुकनासोपदेश।	15
इकाई तृतीय	वैदिक साहित्य का इतिहास–संहिता, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद एवं वेदांग	15
इकाई चतुर्थ	लघु सिद्धांत कौमुदी–अजन्त एवं हलन्त प्रकरण	15

सहायक पुस्तकें	
1	वैदिक सूक्त संग्रह– डॉ. देवेंद्रनाथ पांडे जगदीश संस्कृत पुस्तकालय जयपुर।
2	वैदिक साहित्य का इतिहास– डॉ. कपिल देव द्विवेदी।
3	शुकनासोपदेश– डॉ. राकेश शास्त्री, डॉ. प्रतिमा शास्त्री, चौखंभाओरिएंटालिया
4	लघु सिद्धांत कौमुदी–अर्कनाथ चौधरी

Dy. Registrar
Pandit Deendayal Upadhyaya
Shekhawati University,
Sikar(Rajasthan)

Semester IV

अधिगम उद्देश्य

- संस्कृत रूपक परंपरा का ज्ञान।
- नाटक एवं रसनिष्पत्ति का अवबोध।
- छंद एवं अलंकार ज्ञान, निर्माण एवं अनुप्रयोग।

अधिगम परिणाम

- रसनिष्पत्ति को अनुभव कर नाटकों के प्रति अभिरुचि।
- छंद एवं अलंकारों का परिचय, निर्माण एवं अनुप्रयोग।
- व्याकरणात्मक ज्ञान।

Course Title:	नाटक, छंद, अलंकार एवं संस्कृत साहित्य	**Course Code: 24BSL6401T**
Total Lecture hour 60		**Hours**
इकाई प्रथम	अभिज्ञान शाकुन्तलम् नाटक।	**15**
इकाई द्वितीय	अभिज्ञान शाकुन्तलम् नाटक के आधार पर छंद एवं अलंकार। छंद– आर्या , अनुष्टुप, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, उपजाति, भुजंगप्रयात, वंशस्थ, वसन्ततिलका, मालिनी, मंदाक्रांता, शिखरिणी, शार्दूलविक्रीड़ित एवं स्रग्धरा, अलंकार–अनुप्रास, यमक, श्लेष, रूपक, उपमा, उत्प्रेक्षा, संदेह, भ्रांतिमान, स्वभावोक्ति,निदर्शना,दृष्टांत, विभावना, विशेषोक्ति,समासोक्ति एवं अतिशयोक्ति ।	**15**
इकाई तृतीय	संस्कृत साहित्य का इतिहास–रामायण, महाभारत तथा कालिदास, अश्वघोष, भारवी, माघ, श्रीहर्ष, दण्डी, बाणभट्ट, सुबंधु, अम्बिकादत्त व्यास,शूद्रक, भास, विशाखदत्त एवं भर्तृहरि की रचनाएं।	**15**
इकाई चतुर्थ	अनुवाद–हिंदी से संस्कृत में।	**15**
सहायक पुस्तकें		
1	संस्कृत साहित्य का इतिहास– डॉ. उमाशंकर शर्मा ऋषि।	
2	संस्कृत साहित्य का इतिहास– डॉ. कपिलदेव द्विवेदी।	
3	संस्कृत साहित्य का इतिहास– डॉ. बलदेव उपाध्याय।	
4	अभिज्ञाशाकुंतलम् – डॉ. श्रीकृष्ण शर्मा।	
5	रचना अनुवाद कौमुदी– डॉ. कपिलदेव द्विवेदी।	

Dy. Registrar
Pandit Deendayal Upadhyaya
Shekhawati University,
Sikar(Rajasthan)